Title: Regarding misappropriation of World Bank loan by the Indian Agricultural Research Institute (IARI)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Ramanand Singh says.

*(Interruptions)**

श्री रामानन्द सिंह (सतना) : अध्यक्ष महोदय, विश्व बैंक ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् को एक हजार करोड़ रुपऐ कम्प्यूटर नेटवर्क के लिए ऋण दिए। इस ऋण में 200 करोड़ रुपए एआरआईएस के तहत कम्प्यूटर नेटवर्क के लिए एलाट दिए गए। किन्तु विगत वर्षों में एडीजी और एआरआईएस ने इस योजना में गम्भीर भ्रटाचार पाया। इन्होंने इसकी जानकारी वरिठ अधिकारियों के अलावा माननीय कृषि मंत्री जी को भी लिख कर दी है। इस 200 करोड़ रुपए की योजना में से 50 करोड़ रुपए का भ्रटाचार है। सबसे गम्भीर बात यह है कि जिस अधिकारी ने कम्प्यूटर की खरीद में भ्रटाचार की शिकायत की है, वह अधिकारी राट्रपति महोदय द्वारा और प्रधान मंत्री जी द्वारा पुरस्कृत है। यह अधिकारी बहुत ही सक्षम और योग्य अधिकारी है। इस काम के लिए एडीजी और एआरआईएस भारत सरकार के अधिकृत अधिकारी हैं, लेकिन उनसे यह काम छीन लिया गया है और दूसरे भ्रट अधिकारियों को यह काम सौपा गया है। मैं अनुरोध करता हूं कि भ्रट अधिकारियों को यह काम सौपने के बजाए, जो अधिकारी इस काम के लिए नियुक्त हैं, उन्हें ही काम पर रखा जाए। साथ ही कृषि मंत्री जी और प्रधान मंत्री जी से निवेदन है कि वे इस प्रकरण की जांच कराऐं। जो भ्रट अधिकारी इसमें लिप्त है, मेरा निवेदन है कि उनके खिलाफ कार्यवाही की जाए।

â€¦(व्यवधान)

** Not Recorded.*

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)